वार्षिक प्रतिवेदन (सत्र 2021-22)

सन 1999 से स्थापित यह महाविद्यालय चौमू व आसपास के ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओ के उच्च शिक्षा के स्वप्न को साकार करने में अग्रणी भूमिका का निरंतर उत्कृष्ट ढंग से निर्वहन कर रहा है | वाणिज्य व कला वर्ग में मात्र ४ विषय से आरम्भ हुए इस महाविद्यालय में वर्तमान में विज्ञान ,कला व वाणिज्य वर्ग में २१४७ छात्राए अध्ययनरत है| स्नातक स्तर पर कला वर्ग में ८ विषय यथा हिंदी,इतिहास, राजनीति विज्ञान, गृहविज्ञान, भूगोल, संस्कृत, मनोविज्ञान व अर्थशास्त्र तथा विज्ञान वर्ग में जीव विज्ञान व गणित संचालित है| स्नातकोत्तर स्तर पर कला में इतिहास,राजनीति विज्ञान व हिंदी में तथा विज्ञान वर्ग में रसायन शास्त्र विषय स्वीकृत है |

इस सत्र के दौरान इस महाविद्यालय का परिक्षा परिणाम कला संकाय में - स्नातक स्तर पर 98.70%, विज्ञान संकाय में स्नातक स्तर पर 95.67 % एवं वाणिज्य वर्ग स्नातक का परिक्षा परिणाम 98.75 % रहा | स्नातकोत्तर कक्षाओं के परिक्षा परिणाम वर्तमान तक विश्व विद्यालय से प्राप्त नही हो पाने के कारण सत्र का कुल परिणाम अभी ज्ञात नहीं है किन्तु विगत वर्षो के परिक्षा परिणाम व वर्तमान तक प्राप्त परिणाम के आधार पर इनके बेहतरीन होने की हम आशा करते हैं |

कोविड 19 के परिणाम स्वरुप इस सत्र के आरंभिक दो माह में शिक्षण कार्य ऑनलाइन मोड के माध्यम से किया गया | प्रत्येक कक्षा हेतु नियुक्त मेंटर के माध्यम से महाविद्यालय संकाय द्वारा विडियो व्याख्यान छात्राओ के साथ साझा किये गए| सितम्बर माह से नियमित ऑफलाइन अध्यापन करवाया गया |सत्र पर्यंत संकाय सदस्यों ने पारंपरिक तरीको के अतिरिक्त स्मार्ट बोर्ड व प्रोजेक्टर का प्रयोग करते हुए न केवल शिक्षण करवाया बल्कि छात्राओं को स्वयं भी इन माध्यमो से प्रेजेंटेशन का अवसर दिया |

महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा जून से सितम्बर तक तीन राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय वेब संगोष्टियों का आयोजन इस सत्र की महत्वपूर्ण उपलब्धी रहा | इन संगोष्टियों के विषय क्रमशः समकालीन साहित्यिक विमर्श चुनौतियों एवं सम्भावनाये ;हिन्दी सिनेमा एवं स्त्री विमर्श तथा हिंदी भाषा:बदलते सन्दर्भ रहे | इन संगोष्टियो के प्रतिभावान राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विषय

विशेषज्ञों के ज्ञान का लाभ देश के सुदूर कोनो व विदेश में बसे हुए प्रतिभागी ने लिया|

महाविद्यालय की इस वर्ष की महत्त्वपूर्ण उपलब्धी रही पुस्तकालय का ऑटोमाईजेशन हमारे डिजिटलाइज्ड लाइब्रेरी में वर्तमान में 11561 पुस्तकें उपलब्ध हैं | बुक बैंक के माध्यम अनुसूचित जाति जनजाति व आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग की छात्राओ को वर्ष पर्यंत पुस्तक उपलब्ध करवाई जाती है |

छात्राओं में उद्यमिता व कौशल विकास यथा हथकरघे पर वस्त्र निर्माण प्राकृतिक रंगों से रंगाई व हैण्ड ब्लोक प्रिंटिंग , औशधीय पौधे विकास , ऑरगेनिक फार्मिंग ,फूड प्रोसेसिंग के अवसर उपलब्ध करवाने हेतु तीन भिन्न भिन्न सस्थाओं से एम्.ओ.यू. करने का प्रयास प्रक्रियाधीन है|

राज्य सरकार द्वारा आरम्भ विद्या संबल योजना का लाभ महाविद्यालय ने भी प्राप्त किया वाणिज्य संकाय में व्यवसायिक प्रबंधन व आर्थिक प्रशासन व वित्तीय प्रबंधन विषय में गैस्ट फैकल्टी के माध्यम से अबाध शिक्षण का लाभ छात्राओ को प्राप्त हुआ |

वर्तमान सत्र में केंद्र व राज्य सरकार द्वारा प्रतिभाशाली छात्राओ को प्रोत्साहित करने हेतू दी जा रही छात्रवृति के अंतर्गत लाभान्वित छात्राओं की संख्या NSP में समाज कल्याण विभाग द्वारा 380 व मुख्यमन्त्री छात्रवृति हेतु 336 रही | गत सत्र हेतु देवनारायण स्कूटी योजनान्तर्गत 14 छात्राओं व मेधावी स्कूटी योजनान्तर्गत 20 छात्राओ को स्कूटी देय है|

राजस्थान विश्व विद्यालय में आयोजित अंतर्महाविद्यालय स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओ ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया व एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्रा कोमल जांगिड ने हैमर थ्रो में रजत पदक व संगीता यादव ने १५०० मी. दौड़ में कांस्य पदक प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया |

राष्ट्रीय सेवा योजना व रोवर रेंजर इकाइयों के द्वारा पर्यावरण संरक्षण , वृक्षारोपण ,मतदाता पंजीकरण आदि गतिविधियों के अतिरिक्त राट्रीय पर्व, मानवाधिकार दिवस ,महिला दिवस, शहीद दिवस,जल दिवस आदि का आयोजन किया गया |

विज्ञान क्लब के तत्वाधान में छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का परिचय विज्ञान आद्धारित थीम पर रंगोली बनाकर ,पी.पी.टी. के माध्यम से प्रेजेंटेशन कर व निबंध प्रतियोगिता में भागा ले कर दिया | कोविड जनित परिस्थितियों के मद्देनज़र कुछ प्रतियोगिताए ऑनलाइन भी आयोजित की गयी जिनमे प्रमुख निबंध, पोस्टर व भाषण प्रतियोगिता थी |

महाविद्यालय में संपूर्ण सत्र में शैक्षणिक, सह शैक्षणिक व अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधियों के आयोजन के क्रम में यह एक सफल वर्ष रहा |

प्राचार्य

राजकीय कन्या महाविद्यालय

चौमूँ (जयपुर)